प्रेस नोट

पीजीजीसीजी–42, महाविद्यालय चंडीगढ़ में त्रिदिवसीय आर्ट एंड क्राफ्ट कार्यशाला का सफल आयोजन

पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, सेक्टर–42, चंडीगढ़ में प्राचार्य प्रो. (डॉ.) बीनू डोगरा के कुशल नेतृत्व में तीन दिवसीय आर्ट एंड क्राफ्ट कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह त्रिदिवसीय कार्यक्रम 3 से 5 अक्टूबर 2024 तक आयोजित किया गया और इसका नेतृत्व फाइन आर्ट्स विभाग के 'प्रमुख डॉ. विनोद कुमार ने किया, जिसमें इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (IIC) और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) ने सहयोग किया। इस कार्यशाला को पिडिलाइट इंडस्ट्रीज द्वारा प्रायोजित किया गया, जिसमें प्रसिद्ध फेवीक्रिल एक्सपर्ट टीचर, सुश्री पियूषा प्रियदर्शनी ने छात्राओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला के पहले दो दिन फैब्रिक पेंटिंग पर केंद्रित थे, जहां छात्राओं ने विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर कुशन कवर और पिलो कवर पर डिजाइन बनाना सीखा। अंतिम दिन, छात्राओं ने बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट सत्र में भाग लिया, जिसमें उन्होंने पुरानी बोतलों से बॉटल पेंटिंग के माध्यम से रचनात्मक कला कार्य तैयार करना सीखा, जिससे सस्टेनेबिलिटी और क्रिएटिविटी को बढ़ावा मिला। इस कार्यशाला में लगभग 100 छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से फैब्रिक पेंटिंग और पुनर्चक्रण तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। सुश्री पियूषा प्रियदर्शनी के मार्गदर्शन में इन सत्रों ने रचनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित किया और छात्रों को अपनी कला प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक मंच प्रदान किया। समापन समारोह के दौरान, प्राचार्य प्रो. (डॉ.) बीनू डोगरा ने सभी छात्रों में रचनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित करने के महत्व पर जोर दिया, जो उनके समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने फाइन आर्ट्स विभाग को शानदार कार्यशाला के आयोजन के लिए सराहा और छात्रों को उनकी कला क्षमता को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. विनोद कुमार ने प्राचार्य प्रो. (डॉ.) बीनू डोगरा को उनके निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने सुश्री पियूषा प्रियदर्शनी का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने छात्राओं के साथ अपना अनुभव साझा किया, और छात्रों की उत्साही भागीदारी की सराहना की, जिसने इस कार्यशाला को एक बड़ी सफलता दिलाई। डॉ. संगम वर्मा का भी विशेष रूप से धन्यवाद किया गया, जिन्होंने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण योगदान दिया और इसे सफल बनाने में अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया।यह कार्यशाला एक अनुभवात्मक शिक्षण मंच के रूप में कार्य करती है, जो छात्रों को उनकी रचनात्मकता व्यक्त करने और कला और शिल्प के माध्यम से नवीन विचार विकसित करने के उपकरण प्रदान करती है। यह कॉलेज की रचनात्मकता को बढ़ावा देने और टिकाऊ प्रथाओं को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

Bogra

प्राचार्य
प्रो. (डॉ.) बीनू डोगरा
पी.जी.जी.सी.जी–42, चंडीगढ़